

नागरिकशास्त्र के शिक्षण के महत्व एवं उद्देश्य : [Aim and Objectives of Civics Teaching] :

किसी भी विषय के शिक्षण से हमें हमारे जैव यह आवश्यक है कि हम उस विषय के उद्देश्यों का निधारण करें।

- उद्देश्य किसी भी विषय के बाह्यनीय स्वरूप की पाल्पा करने हेतु आवश्यक है।
- यह शिक्षण कार्य का सीमांकन करते हैं।
- उद्देश्य अध्यापन के हाल देने वाले हैं।
- क्रिया करने हेतु सब्स मानवशील होते हैं।
- यह सीखने वाले जीव निधारण करने में भी सहयोग देते हैं।
- इसके द्वारा ही पाठ्यक्रम का निधारण किया जाता है।

जॉन डीकी के अनुसार, "उद्देश्य एक दृष्टिकोण है जो किसी भी क्रिया की 1920-ने 1927 में हो रहे हैं वे लोगों को वेरिएट करते हैं।"

लेम के अनुसार, "शोधित उद्देश्य का अनुभव अन्य सभी शिक्षणों के निम्नांकित है। जैव शिक्षण के द्वारा शोधित विषय के माध्यम से हमें वे व्यवहार में अपार्थित परिवर्तन सामने आते हैं।"

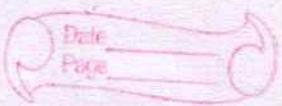
बेसल के अनुसार, "शैक्षिक उद्देश्य या
लक्ष्यों का अभिषेक है विद्यालय द्वारा
प्राप्त किए जाने वाले समवयों का प्रयोग करना"

लक्ष्य एवं उद्देश्य में अन्तर

लक्ष्य

उद्देश्य

1. लक्ष्य शिक्षा की निर्धारित दिक्षाओं प्रदान करते हैं। शिक्षा क्षेत्र के अभाव में गाँधी दिक्षा मुंफारी नहीं कर सकती है। उद्देश्य एवं विद्यालय जो निर्धारित शिक्षा में सम्भव उपलब्धियों विकल्प करता है।
2. लक्ष्य की प्राप्त विद्यालय उद्देश्य की प्राप्त कार्यक्रम के विवर से जी खा सकती है। बाहर हैं दूसरे शाल्मी में लक्ष्यों को विवल विद्यो-लक्ष्यी कार्यक्रमों से प्राप्त करना सम्भव है।
3. शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्त निर्धारित नहीं है। उद्देश्य लक्ष्यों से विकासित या उत्पन्न नहीं है। उच्चक उद्देश्य की प्राप्ति या शैक्षिक उद्देश्य की प्राप्ति का एक-एक होता है।



4. लक्ष्य विषय-कर्ता उद्देश्य अन्तर्कर्ता के क्रै-प्लान में निर्माण वर्धन में सहायता प्रदान करते हैं।
5. लक्ष्य कर्ता-कर्ता की विस्तृत एवं विस्तृत एवं विस्तृत एवं विस्तृत सहायता के नियांरण में सहायता होते हैं।
6. लक्ष्य एक समा उद्देश्य एक निश्चित एवं -प्रय कथन है। विशिष्ट कथन है।